ग्रामीण विकास के लिए संचालित विशिष्ट योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

(छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले में कृषि विकास की योजनाओं के विशेष संदर्भ में)

भूमिका –

भारत आजादी के 65 वर्षों बाद भी गांवों का देश है, आजादी के बाद से आज तक भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए है। भारत के तेजी से बढ़ने वाले राज्यों में से एक छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। योजनाबद्ध दोहन से राज्य प्रगति के नये सोपान की ओर अग्रसर हो रहा है। सामाजिक जीवन के किसी भी पक्ष में होने वाले परिवर्तनों में ग्रामीण विकास योजनाओं की अहम् भूमिका है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत के क्षेत्र में अग्रणीय है। विभिन्न निजी कंपनियों के द्वारा ऊर्जा का निर्माण कर रहे हैं। नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ भारत के 26वें नवोदित राज्य के रूप में स्थापित हुआ जिसकी राजधानी रायपुर है। शासन द्वारा सभी वर्गों विशेषकर गांव, गरीब और किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएँ और कार्यक्रम बनाये गये एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के प्रयास सरकार व्दारा किये जा रहे हैं।

छोटे–छोटे गॉवों में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित कर कृषि की उन्नत फसलें विभिन्न तकनीकी से विकसित की जा रही है। इस योजना का वास्तविक लाभ जरुरतमंद लोगों को मिल रहा है। इसके लिए यह और भी जरुरी है कि इन योजनाओं का प्रचार–प्रसार और तेजी से किए जाएं और वास्तविक हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी मिल सके।

ग्रामीण सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में आज भी दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी का अभाव महसूस किया जाता है। शासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से ग्राम विकास के लिए अनेक योजनाएं बनायी जा रही है। भविष्य में ग्रामवासी इन योजनाओं का सर्वाधिक लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को उंचा उठाकर आने वाले पीढ़ी को रोजगार के सशक्त माध्यम उपलब्ध करा सकेंगे, इन्हीं सब तथ्यों का अध्ययन करना प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है।

●●●

अध्ययन के उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिला में संचालित कृषि विकास संबंधी योजनाओं का विश्लेषण करना।
2. कृषि विकास योजनाओं का ग्रामीण विकास में प्रभाव का अध्ययन करना ।
3. कृषि विकास की योजनाओं में स्थानीय कृषकों के योगदान का अध्ययन करना।
4. कृषि विकास संबंधित योजनाओं के द्वारा ग्रामीण, समाजिक, आर्थिक में आने वाले बाधाएं एवं समस्याओं का अध्ययन करना ।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. ग्रामीण विकास के लिए जिला में पर्याप्त मात्रा में योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।
2. ग्रामीणों द्वारा योजनाओं का भरपूर दोहन किया जाता है ।
3. इन योजनाओं द्वारा ग्रामीण अधोसंरचनाओं का एवं स्थानीय कृषकों के जीवन स्तर में वृध्दि हो रही है।

प्रस्तावित शोध प्रविधि

रायपुर जिले में कृषि विकास की योजनाओं के विशेष संदर्भ में शोध हेतु सामग्री, आकड़ों व सूचनाओं का संकलन इस प्रकार किया जावेगा।

1. प्राथमिक समंक :– रायपुर जिले के विकासखंडों में कुछ चुने हुए ग्रामों से कृषक, श्रमिक, शासकीय कर्मचारी, उघोगपति, जनप्रतिनिधि एवं युवा पीढ़ी से कृषि विकास के योजनाओं के लिए प्रत्यक्ष रूप से संपर्क कर शोध करना। इस हेतु प्राथमिक समंक के लिए निम्न स्त्रोतो का प्रयोग किया जायेगा :–
    1. सर्वेक्षण करना
    2. विश्लेषण करना
    3. अवलोकन करना
    4. प्रश्नावली
    5. साक्षात्कार
    6. अन्य माध्यमों से समंको का संग्रहण करना
2. द्वितीयक समंक :– द्वितीयक समंक जो पूर्व में इस दिशा में किये कार्यो का शासन की पत्रिका, ग्रंथ, लेखन, नियमावली एवं समय समय पर पारित संशोधित नियमों को आधार मानना।

ग्रामीण विकास के लिए संचालित विशिष्ट योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

(छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले में कृषि विकास की योजनाओं के विशेष संदर्भ में)

अध्याय–1 परिचय :–

(i) ग्रामीण विकास का अर्थ एवं महत्व
(ii) ग्रामीण विकास एवं आर्थिक विकास
(iii) आर्थिक विकास में ग्रामीण विकास की भूमिका
(iv) ग्रामीण विकास की उपयोगिता एवं सार्थकता
(v) छत्तीसगढ़ राज्य में ग्रामीण विकास की स्थिति
(vi) छत्तीसगढ़ राज्य में ग्रामीण विकास की भूमिका
(vii) छत्तीसगढ़ राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों का विस्तार

अध्याय–2 छत्तीसगढ़ राज्य के भौगोलिक स्थिति का विवरण (रायपुर जिले के विषेश संदर्भ में)

(i) रायपुर जिले की भौगोलिक स्थिति
(ii) जिले में क्षेत्राधारित ग्रामीण विकास की स्थिति
(iii) ग्रामीण विकास की आवश्यकता

अध्याय–3 छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिला में संचालित ग्रामीण विकास की योजनाओं का विवरण

i) कृषि
ii) पशुपालन
iii) मछलीपालन
iv) सहकारिता
v) पंचायत एवं ग्रामीण विकास
vi) महिला एवं बाल विकास
vii) ग्रामोद्योग
viii) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण योजना
ix) जनशक्ति नियोजन
x) ऊर्जा एवं श्रम

अध्याय–4 रायपुर जिला में संचालित कृषि विकास आधारित विशिष्ट योजनाएं–

i) आइसोपाम – एकीकृत दलहन,तिलहन,मक्का विकास योजना
ii) मेक्रोमेनेजमेंट योजना
iii) कृषक समग्र विकास योजना
iv) राज्य पोषित योजना
v) राज्य गन्ना विकास योजना
vi) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
vii) उद्यानिकी विभाग

अध्याय–5 कृषि विकास योजनाओं का मूल्यांकन एवं विश्लेषण –

i) योजनाओं के वास्तविक स्थिति का अध्ययन
ii) अध्यागत वर्षों में योजनाओं का विकास

अध्याय–6 शोध समंकों का विश्लेषण एवं परीक्षण।

अध्याय–7 ग्रामीण एवं कृषि विकास की योजनाओं के कियान्वयन में बाधाएं एवं समस्याएं।

उपसंहार एवं सुझाव

शोध प्रबंध अध्ययाय मे परिवर्तन हो सकता है।

●●●●

संदर्भित ग्रंथ

छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं विकास विभाग।
छत्तीसगढ़ राज्य विकास संस्थान निमोरा, विकास के आयाम रायपुर।
चौधरी पद्म सिंह (कुरुक्षेत्र फर. 2012)– कैसे रोकें गॉवों से पलायन।
डॉ.मामोरिया एवं वाष्णैय – भारत में आर्थिक विकास एवं नियोजन
दुबे एम.के – Rural & Urban Development in India,
गुप्ता एस.पी. – वित्तीय प्रबंध साहित्य भवन आगरा।
झिंगन एम.एल – आर्थिक विकास एवं नियोजन, साहित्य भवन, आगरा
के. विजय लक्ष्मी– Infromation System of Rural Industry, Sonalika
मितान छत्तीसगढ़ शासन योजना।
पंत डी.सी.–भारत में ग्रामीण विकास, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
पत्रिकाएं – योजना, कुरुक्षेत्र, अर्थव्यवस्था – दैनिक समाचार सेवा
पिन्ता डॉ.वी.पी.– आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांत।
प्रो. अग्रवाल एवं फौजदार –परियोजना नियोजन एवं नियंत्रण सा. भवन, आगरा
रुद्रदत्त एवं सुंदरम– भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन, आगरा।
सिंह शिवशंकर – भारत में सामाजिक ग्रामीण विकास एवं नियोजन।
सेन अर्मत्य एवं ज्याब्रिज– भारतीय राज्यों का विकास
सिन्हा डॉ.वी.पी. – भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं विशेपताएँ
सिन्हा एवं द्विवेदी – विकास नियोजन एवं नीतियॉ। साहित्य भवन, आगरा
सिंह कटार– ग्रामीण विकास, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
सिंग होशियार और मोहिन्दर सिंह–Role of Bureaucracy Rural Dev.
तिवारी आर.डी. भारत में ग्रामीण विकास–आशीप प्रकाशन, नईदिल्ली
त्रिपाठी डी.सी.– भारत में लोक उद्योग, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
वर्मा एस.पी.– ग्रामीण बुनियादी संस्थान, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली
विकास के आयाम – छ.ग.राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा रायपुर

''शोधार्थी का प्रकाशित आलेख''

अभी तक शोध पत्रों में प्रकाशित नहीं हुआ है। मेरे द्वारा तीन आलेख प्रकाशित होने के लिए विभन्न पत्रिकाओं में प्रेषित किया जा चुका है।